Dainik Bhaskar (Indore), 14th November 2024, Page-05

IIT के छात्रों को नैट्रेक्स के साथ मिलेगा रिसर्च का मौका

प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने दोनों संस्थानों में हुआ एमओयू

इंदौर | रिसर्च व प्रौद्योगिकी कों बढ़ावा देने के लिए आईआईटी इंदौर व नैट्रेक्स के बीच एक अहम समझौता किया गया। खास बात यह है कि आईआईटी इंदौर के छात्रों को नैट्रेक्स सुविधाओं में रिसर्च प्रोजेक्ट के साथ ही इंटर्नशिप और प्रैक्टिकल ट्रेनिंग का भी मौका दिया जाएगा। चयनित छात्र वहां रिसर्च प्रोजेक्ट पर काम कर सकेंगे। इस दौरान छात्रों को आज के दौर के नए तकनीकी नॉलेज व रिसर्च पर काम करने का मौका मिलेगा। भविष्य की तकनीक, रिसर्च व नॉलेज पर भी काम होगा।

दरअसल आईआईटी इंदौर व नेशनल ऑटोमोटिव टेस्ट ट्रैक्स (नैट्रेक्स) ने संयुक्त अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास परियोजनाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष समझौता किया है। न केवल छात्रों बल्कि प्रोफेसरों को भी इससे जोड़ा जाएगा। इसमें दोनों इंडस्ट्री के साथ सहयोग को बढ़ाने, ऑटोमोटिव क्षेत्र में नवाचार व तकनीक को बढ़ावा देने पर भी काम करेंगे। आईआईटी इंदौर के डायरेक्टर प्रो. सुहास एस. जोशी व नैट्रेक्स के डायरेक्टर डॉ. मनीष जायसवाल व अन्य एक्सपर्ट्स की मौजूदगी में इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

ऐसे आगे बढ़ेंगे दोनों संस्थान

- **कॉमन रिसर्च :** सड़क सुरक्षा, ट्रैक की विशेषताओं को प्रभावित किए बिना ट्रैक के पूर्वानुमानित रखरखाव, उन्नत सामग्री और टिकाऊ प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं शुरू करना।
- **प्रौद्योगिकी विकास :** नई प्रौद्योगिकी के विकास को बढ़ावा देना। जिन्हें सड़क सुरक्षा और ट्रैक के रखरखाव में लागू किया जा सके।
- **नॉलेज का आदान-प्रदान:** कार्यशालाओं, सेमिनारों व प्रशिक्षण कार्यक्रमों के जरिये आईआईटी इंदौर व नैट्रेक्स के बीच नॉलेज व विशेषज्ञता के आदान-प्रदान को बेहतर बनाना।